Class 4 Hindi Chapter 2 – जैसा सवाल वैसा जवाब

Question 1:

(क) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों का क्या कोई और जवाब हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखो।

(ख) अगर तुम ख्वाजा सरा की जगह पर होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-से सवाल पूछते।

(ग) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देते। अगर तुम्हारा बस चले तो तुम कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहोगे?

Answer:

(क) हाँ, हो सकता है।

ख्वाजा सरा का पहला सवाल था, "संसार का केन्द्र कहाँ है?" इस सवाल का जवाब हो सकता है "हिमालय की सबसे ऊँची चोटी की सबसे ऊँची जगह ही संसार का केन्द्र है। ख्वाजा सरा नाप कर देख लें।"

दूसरा सवाल था, "आकाश में कितने तारे हैं?"

इसका उत्तर हो सकता है, "एक बोरी सरसों में जितने दाने है, आकाश में उतने ही तारे हैं। ख्वाजा सरा दानों को गिनकर देख सकते हैं।

तीसरा सवाल था – "संसार की आबादी कितनी है?"

इसका उत्तर हो सकता है, "ख्वाजा के सिर और दाढ़ी में जितने बाल है, संसार की आबादी उतनी ही है। वह चाहें तो अपनी दाढ़ी और अपने सिर को मुंड़वाकर गिनती कर लें।

(ख) अगर मैं ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिए यह सवाल पूछता- "बादशाह का कहना है कि बीरबल मूर्ख है, उसे देश निकाला दे देना चाहिए। बादशाह ने झूठ बोला या सच?"

नोट – विद्यार्थी अपनी-अपनी रूचि के अनुसार अलग-अलग सवाल बनाएँ।

(ग) अगर मेरा बस चले तो मैं अपनी कार से पूरी दुनिया की सैर करूँ। संसार की तरह-तरह की चॉकलेट फ्रिज में रखकर समय-समय पर उसका आनन्द लूँ। सुपरमैन बन जाऊँ और संसार के सभी अपराधियों को पकड़कर जेल मे कैद कर लूँ।

Question 2: नीचे लिखे वाक्य पढ़ो-

• मैं **बस** में बैठकर स्कूल जाती हूँ।

• ख्वाजा सरा का **बस** चलता तो वे बीरबल को निकाल देते।

• **बस**! अब रुक जाओ।

• **बस** दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।

ऊपर लिखे वाक्यों में बस शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं।

अब इसी तरह **चल** शब्द से वाक्य बनाओ।

(संकेत चल, चल-चल, चला, चलें, चलना, चलती, चलो)

Answer:

बीच सड़क पर मत चल।

मैं तो चल-चल के थक गया।

तुम बैठो मैं तो चला।

चलो अब पढ़ाई करो।

अब हमें चलना चाहिए।

इसी को चलती का नाम गाड़ी कहते हैं।

कैसे चलें, राजीव तो आया ही नहीं।

यह फ़िल्म बहुत चलेगी।

Question 3:

एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?"

बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाओ।

Answer:

एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "दुनिया में सबसे शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह गोद में बैठने वाला बच्चा।" अकबर ने कहा- "यह हो ही नहीं सकता।" इस पर बीरबल ने कुछ दिनों बाद एक छोटे से बच्चे को अनुमति माँग कर उनकी गोद में बिठा दिया। बच्चा खेलता रहा। वह कभी मारता, कभी जिद करता और कभी अकबर की मूँछ पकड़ता। इस पर बीरबल ने कहा- "देखा महाराज जो बच्चा गोद में है उसने आपकी मूँछ पकड़ ली जबकि ऐसा करने की किसी की हिम्मत नहीं है।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर बहुत खुश हुआ।

Question 4:

छात्र अपने मित्रों के साथ मिलकर इस विषय पर चर्चा करें।

नीचे लिखे मुहावरों का इस्तेमाल तुम कब-कब कर सकते हो? आपस में चर्चा करो। अब इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

• नाक-भौंह सिकोड़ना

• कलई खुलना

Answer:

छात्र अपने मित्रों के साथ मिलकर इस विषय पर चर्चा करें। आप इनका प्रयोग वाक्यों में इस प्रकार कर सकते हैं-

• नाक-भौंह सिकोड़ना:- गीता का नाम सुनते ही नीना नाक भौंह सिकोड़ने लगती है।

• कलई खुलना:- उसकी करतूत का पता लगते ही सबके सामने उसकी कलई खुल गई।

Question 5:

बीरबल की चतुराई के किस्से बहुत मशहूर हैं।

(क) तुम भी बीरबल का एक ऐसा ही किस्सा ढूँढ़ो जिसमें वह अपने जवाबों से सबका मुँह बंद कर देता है।

(ख) बीरबल की तरह बहुत से अन्य व्यक्तियों की हाज़िरजवाबी के किस्से प्रसिद्ध हैं। उनके नाम पता करो।

Answer:

(क) एक बार अकबर ने ऐलान किया- "जो व्यक्ति सारी रात नंगे बदन इस नदी के पानी में खड़ा रहेगा उसे मेरी तरफ़ से भारी इनाम मिलेगा।" यह ऐलान सुनकर एक गरीब ब्राह्मण ऐसा करने के लिए तैयार हो गया। वह पूरी रात नंगे बदन नदी के ठंडे जल में खड़ा रहा। अगली सुबह उसने दरबार में अकबर से अपना इनाम माँगा। अकबर ने उससे पूछा- "तुम पूरी रात कैसे कड़कती ठंड में पानी में खड़े रहे। वह ब्राह्मण बोला- "राजन्! आपके महल में एक दीया जल रहा था। उसकी लौ को देखते हुए मैंने पूरी रात बिता दी।" इस पर अकबर बोला- "हे ब्राह्मण! फिर तो आप इनाम के हकदार नहीं हैं। उस दीये की ऊष्मा से ही आपको गरमी मिली है।" अत: अकबर ने इनाम देने से मना कर दिया।

बीरबल को यह अच्छा नहीं लगा। अगले दिन बीरबल ने अकबर व अन्य दरबारियों को खिचड़ी खाने का निमत्रंण दिया। सब सही समय पर पहुँच गए परन्तु बीरबल का कुछ पता नहीं था। भूख के मारे सबका बुरा हाल था। अकबर ने सिपाही से कहा– "जाओ! देखो बीरबल को इतनी देर क्यों हो रही है?" थोड़ी देर पश्चात सिपाही आया और बोला-

"जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" बहुत देर हो गई परन्तु खिचड़ी परोसी नहीं गई। अकबर ने इस बार फ़िर पूछा- "क्या बात है? देर क्यों हो रही है।" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" इस बार अकबर ने उसे देखने की इच्छा ज़ाहिर की। जब अकबर ने वहाँ जाकर देखा तो दूर ऊँचाई पर हाँडी लटक रही थी और उसके नीचे थोड़ी आग जल रही थी। अकबर को बहुत गुस्सा आया। उसने बीरबल से ऐसा करने का कारण पूछा। बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! जब दूर से आती दीये की रोशनी की ऊष्मा से ब्राह्मण को गरमी मिल सकती है तो यह खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर खुश हुए और उस ब्राह्मण को बुला कर इनाम दिया।

(ख) तेलानीराम, मुल्ला नसीरूद्दीन, शेख चिल्ली आदि।